भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1290
दिनांक 09 फरवरी ,2024 को उत्तर देने के लिए

चिकित्सा महाविद्यालयों में अनुसंधान संवर्ग की स्थापना

1290. श्री अनिल फिरोजियाः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चिन्हित करें कि क्या देश के युवाओं ने महामारी के दौरान विश्व में चिकित्सीय अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार का चिकित्सा महाविद्यालयों में अनुसंधान हेतु एक अलग अनुसंधान संवर्ग स्थापित करने का विचार है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किस प्रकार का अनुसंधान संवर्ग स्थापित किए जाने का विचार है;
(घ) क्या हेपेटाइटिस बी जैसी घातक बीमारी की रोकथाम और इलाज के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाया गया है; और
(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में उठाए गए कदमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मन्त्री (प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क): भारत के युवाओं ने महामारी के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अग्रिम पंक्ति में शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और संचारकों के रूप में कदम रखा है। महामारी के दौरान प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में भारतीय छात्रों/शोधकर्ताओं द्वारा कई लेख प्रकाशित किए गए हैं और इस प्रकार कोविड-19 महामारी से संबंधित अनुसंधान में योगदान दिया गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अपने युवा वैज्ञानिकों के साथ कोविड-19 महामारी के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विभिन्न स्वास्थ्य परामर्श जारी करने के अलावा, आईसीएमआर ने देश भर में 3250 परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, आईसीएमआर ने भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) के साथ साझेदारी में कोवैक्सीन तैयार किया है।

(ख) और (ग): स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) ने देश में चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में बहुविषयक अनुसंधान इकाइयों (एमआरयू) और आदर्श ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) की स्थापना की है। अब तक विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 115 एमआरयू और 33 एमआरएचआरयू की स्थापना की गई है। हालांकि, अनुसंधान के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों में पृथक अनुसंधान संवर्ग स्थापित करने का ऐसा कोई प्रस्ताव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

(घ) और (ङ): राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के साथ संरेखण में 2018 में शुरू किया गया था। 2019 में हेपेटाइटिस बी के प्रबंधन को शामिल करने के लिए कार्यक्रम के दायरे का विस्तार किया गया था। हेपेटाइटिस बी एक टीके से बचाव योग्य बीमारी है और कार्यक्रम, टीकाकरण प्रभाग के साथ समन्वय में हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव माताओं से पैदा हुए बच्चों को हेपेटाइटिस बी जन्म खुराक वैक्सीन और हेपेटाइटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन सुनिश्चित कर रहा है। इस कार्यक्रम में पात्र रोगियों को हेपेटाइटिस बी का नि:शुल्क निदान और उपचार प्रदान करके वायरल हेपेटाइटिस का प्रबंधन और इसकी रोकथाम हेतु जागरूकता पैदा करने की परिकल्पना की गई है।

*****